

प्राप्तक,

डॉ० एम०सी० जोशी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़/पौड़ी/टिहरी/
चमोली/रूद्रप्रयाग/हरिद्वार।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून: दिनांक: 27 दिसम्बर, 2004

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2004-05 में उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० को ग्रामीण विद्युतीकरण कार्य हेतु मूलधन पर ब्याज एवं विलम्ब में भुगतान पर देय ब्याज की स्वीकृति।

नहोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या: 740/1/2004-6(1)/59/04 दिनांक 17.12.2004 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपरिलिखित शासनादेश के प्रसार-11 में मूलधन पर ब्याज की दर एवं समय से अदायगी न करने के विषय में अलग से सूचित किये जाने की व्यवस्था के क्रम में वित्तीय वर्ष 2004-05 में उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि० को ग्रामीण विद्युतीकरण कार्य हेतु जिला योजना के अन्तर्गत स्वीकृत ऋण रु० 366.88 लाख की अदायगी एवं समय से अदायगी न होने पर देय ब्याज का प्रतिशत निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है:-

"मूल वित्तीय वर्ष में यू०पी०सी०एल० को नाबार्ड द्वारा ग्रामीण विद्युतीकरण हेतु ऋण पर 6.5 प्रतिशत की दर से ब्याज लिया जा रहा है। अतः उचित होगा कि स्वीकृत ऋण रु० 366.88 लाख पर, जो वित्त वर्ष के अनुरूप ब्याज की दर 6.5 प्रतिशत ही निर्धारित करते हुये तथा विलम्ब की दशा में 1.0 प्रतिशत अतिरिक्त विलम्ब शुल्क लिया जायेगा। मूलधन की आपसी 10 वार्षिक किस्तों में माह अप्रैल, 2005 से प्रारम्भ की जायेगी।"

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 2127/वि०अनु०-3/2004, दिनांक 21 दिसम्बर, 2004 से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

संख्या: 851/1/2004-6(1)/59/04, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
- 2- निजी प्रमुख सचिव, मुख्य मंत्री को मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु।
- 3- अपर निजी सचिव, ऊर्जा राज्य मंत्री, को मा० राज्य मंत्री के संज्ञान में लाने हेतु।
- 4- कोषाधिकारी, पिथौरागढ़/पौड़ी/टिहरी/चमोली/रूद्रप्रयाग/हरिद्वार।
- 5- अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पावर कारपोरेशन लि०, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 7- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 8- प्रभारी, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, उत्तरांचल।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डॉ० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव